

# খোতবা জুমা

ବ୍ୟାତବାର ସାରାଂଶ |

তাথাহুদ তাউয় আৰু চুৰা ফাতিহা পাঠৰ পিছত হ্যুৰ আনোৱাৰ (আইং) যে কয় যে; কেইদিনমান আগত অৰ্থাৎ ১৩  
এপ্রিল ২০১৮ চনত জমাতৰ এজন বুজুর্গ আৰু বিদ্যান লোক মকব্বম ওচমান চীনি চাহাবৰ মৃত্যু হয়। ইন্না লিল্লাহি ওয়া ইন্না  
ইলায়হি ৰাজিউন। আল্লাহ তায়লা তেখেতক চীনৰ এখন দুৱীৰটীয়া অঞ্চলৰ পৰা সৌভাগ্য ক্ৰমে পাকিস্থানলৈ আহি  
আহমদীয়ত গ্ৰহণ কৰাৰ তোফিক দান কৰে। তেখেতৰ অৱস্থা, জীৱণ, খিদমত আৰু জীৱণ চৰিত্ৰ সম্পর্কে ইমানেই ঘটনা  
আছে যে সেয়া লিখিলে এখন কিতাপ হ'ব। এতিয়া মই সেই দৰবেশে সদৃশ মানুহ, বুজুর্গ, ওয়াকফে জিন্দেগী, মোবাল্লিগ  
ছিলছিলা আৰু ওলি আল্লাহৰ জীৱণ চৰিত সম্পর্কে দু-এ্যাৰ কৰলৈ ওলাইছো। যি ওয়াকফে জিন্দেগী আৰু মোবাল্লিগীন  
সকলৰ বাবে অনুসৰণ কৰিবলগীয়া আদৰ্শ স্বৰূপ। সাধাৰণতে তেখেত সকলো আহমদীৰ মাজত উচমান চীনি নামেৰে  
পৰিচিত আছিল। তেখেতৰ সম্পূৰ্ণ নাম আছিল মহম্মদ উচমান চোচেংশি। ১৯২৫ চনৰ ১৩ ডিচেম্বৰত এখন মুছলামন  
পৰিয়ালত তেখেতৰ জন্ম হৈছিল। চীনৰ আঙ্গুয়ী বাজ্য হ'ল তেখেতৰ জন্মভূমি। হাই স্কুলৰ শিক্ষা সাংকৰি ১৯৪৬ চনত নান  
চেং বিশ্ববিদ্যালয়ত এবছৰ Advance Course সম্পাদ্য কৰে। আকৌ নান চেং National Central University  
ৰ বাজনীতি বিভাগত অধ্যয়ন কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰে। সাধাৰণতে তেখেতৰ বাজনীতিলৈ তেনে মনযোগ নাছিল সেয়ে  
আইন আৰু ধৰ্মীয় শিক্ষাৰ ফালে মন দিয়ে। প্ৰথমে তুকীলে গৈ শিক্ষা অৰ্জন কৰাৰ সিদ্ধান্ত লৈছিল কিন্তু ১৯৪৯ চনত এখেতে  
পাকিস্থানলৈ আছে। নিজে অনুসন্ধান কৰি এখেতে বয়াত গ্ৰহণ কৰিছিল। তাৰ পিছত জামে আহমদীয়া (পাকিস্থানত)  
অধ্যয়ন কৰিবলৈ লয়। এপ্রিল ১৯৫৭ চনত উক্ত জামেয়াৰ পৰা শাহাদাতুল-আজনাব পৰীক্ষাত উত্তীৰ্ণ হয়। ১৯৫৯ চনত  
আগষ্ট মাহত তেখেতে ওয়াকফে কৰে। ১৯৬০ চনৰ জানুৱাৰী মাহত নিযুক্ত হয়। আকৌ মোবাল্লিগ পাচ কৰাৰ বাবে আকৌ  
১৯৬১ চনত জামেয়া আহমদীয়াত ভৰ্তি হয় আৰু ১৯৬৪ চনত শাহিদ ডিগ্ৰি লয়। কৰাচী আৰু বাবোৱাত ওয়াকফে জিন্দেগী  
আৰু মূৰবী হিচাপে খিদমত কৰাৰ তোফিক লাভ কৰে। ১৯৬৬ চনত ছিঙ্গাপুৰ আৰু মালয়েচিয়া লৈ যায়। প্ৰায় ছাৰে তিনি  
বছৰ কাল ছিঙ্গাপুৰ আৰু প্ৰায় চাৰিমাহ কাল মালয়েচিয়াত খিদমত কৰাৰ তোফিক লাভ কৰে। ১৯৭০ চনত পাকিস্থানলৈ  
ঘূৰি আছে আৰু বিভিন্ন ঠাইত মূৰবী ছিলছিলাৰ দায়িত্ব পালন কৰে। হজ আৰু ওমৰা কৰাৰও তেখেতে সৌভাগ্য লাভ  
কৰিছিল। হজবত খলিফাতুল মছিহ বাবে (বহং) ব হিজৰতৰ পিছত লঙ্ঘনত বিভিন্ন জমাতী কাৰ্য্যলয় স্থাপন কৰা হয় আৰু  
কামৰ পৰিসৰও বিস্তৃত হয় লগতে জমাতি লিটাবেছাৰ সমুহ তৰজমা কৰাৰ প্ৰয়োজন হৈ পৰে। তেতিয়া চীনা ডেঙ্ক প্ৰতিষ্ঠা  
কৰা হয় আৰু তেতিয়া তেখেতক তালৈ মাতি পঠোৱা হয় এনেদেৰে তেখেতে চীনা ভাষাত কিতাপৰ তৰজমা কৰিবলৈ লয়,  
ইয়াৰ মাজত চীনা ভাষাত কোৰাণ কৰিমৰ তৰজমা উল্লেখনীয়। জমাতি বিশ্বাস আৰু শিক্ষাৰ ওপৰত তেখেতে কিতাপও লিখি  
উলিয়াই।

মৃত্যুর সময়ত মৰহম চাহাবে পল্লী আৰু এজন পুতেক আৰু দুজনী জীয়েক এৰি থৈ যায়। উচমান চীনি চাহাবে কৈছে যে, কোৰাণ কৰিমৰ চীনা ভাষাত হোৱা তৰজমা সম্পর্কে চীন আৰু আন আন দেশৰ উক্ত ভাষা-ভাষী সকলে বিভিন্ন বিবৃতি আগবঢ়াইছে যিবোৰৰ মাজত উক্ত তৰজমাক উন্নত তৰজমা হিচাপে স্থান দিছে। কৈছে জমাতৰ তৰজমা কোৰাণ অধিক গ্ৰহণ যোগ্য গতিকে ইয়াৰ চাহিদা অনেক আৰু এই তৰজমা সকলোতোৱে উচ্চ মানদণ্ডৰ তৰজমা বলি স্বীকাৰ কৰিছে।

উচ্চান চীন চাহাবে নিজৰ অধীনত যি ছাইন লিটাৰেছাৰ উলিয়াইছে তাৰে মাজত থকা সাত খন কিতাপ তেখেতে নিজে লিখিচ্ছে আৰু পয়ত্রিচ্ছে খন কিতাপ নিজে ত্ৰজমা কৰি উলিৱাটাইছে।

পারিবারিক জীবণ সম্পর্কে যোগসূত্র প্রত্যৌক্তি মন্তব্য নথিতে দেখা গৈছে।

निकाह्र प्रस्ताव आहे मोर देउताय सेही प्रस्ताव तेखेते आकू मोर बयसव सामजिक्य नथकात नाकचव नकरे वा समतिओ निदिये। केही माहलैके देउताय मोक एही प्रस्ताव सम्पर्के नजिनाय। अरशेषत येतिया देउताके उक्त प्रस्ताव सम्पर्के जनाय तेतिया एखन पत्र मोर समृद्धत वाखी निजके सिद्धान्त लवलै दिये। ताही आकू कय ये, मही सपोनत देखिछिलो ये मही बाहिरव कोनोवा एखन देशत एखन डाङ्व गथावत अकले शृंग्य हातेवे थिय तै आचो आकू हठाते मही भाविरलै धरिलो ये एतिया मोर कि अरस्त्व ह'ब तेतिया मही अलप दुवत वगा कापोव पिंडा एजन मानुहक देखा पालो आकू एटा शब्द शुलो पालो ये तोमाव सकलो प्रयोजन एही व्यक्तिजनव जवियते पूर्ण करा ह'ब। ताही कय ये मही, एही पत्र देखाव पिछत उचमान चाहावक सपोनत देखिलो ये तेखेते वगा कापोव पिंडी मोर ओवत थिय दि आचे। तार पिछत येतिया मोक उचमान चाहावव फटो देखुरा ह'ल तेतिया अनुमान ह'ल ये एही जनेही सेही व्यक्ति याक मही सपोनत देखिछिलो आकू एनेदरे मही निकाह्र प्रस्ताव ग्रहन करिछिलो।

मरहमर उचमान चाहावव वियये तेखेते पन्हीये लिखिचे ये, तेखेते एजन वर भाल पति आचिल आकू मोर वाबे एजन आध्यात्मिक शुक आचिल। मही येतिया पाकिस्तानलै आहिछिलो तेखेते मोक सर्व प्रथमे नमाज पढा शिकाईचिल। मच्जिदित नमाज पढोराव पिछत घरत आहि मोक बाजमात नमाज पढाईचिल। तेखेते मोक शब्द पिछत शब्द, वाक्यव पिछत वाक्य शिकाई गैचिल आकू उपदेश दिचिल ये एया वाबे वाबे आवाहाई थाका आकू यदि पाहवि योरा तेस्ते दोरा करिवा। तेखेते मोक छमाह्र भित्रवत कायदा पढा शिकाईचिल। तेखेते मोक कोराव पढा शिकावलै आवस्त करिले लगते तरजमाव शिकाव धरिले याते मोर मनयोग आकर्षित हय। वर धैर्यशील आचिल तेखेत। तेखेत आचिल वर दयालु। तेखेते निजव माक चीनव परा पाकिस्तानलै लै आनिचिल आकू वर खिदमत करिछिल। तेखे गोटेही जीरण निजव कामव सैतेव व्यास्त थाकिछिल। शरीव भाले थाकिले वातिओ वह देरिलै निजव अफिचत काम करि थाकिछिल एनेकि केतियावा वाति पुराई गैचिल। घरत तेखेते आटाइतकै शुक्रत्पूर्ण काम आचिल ल'बा-छोरालीक तरवियत करा। वाकी सर्व-सुरा कामलै मन दिया नाचिल। पिंडन-उरणत वर साधावण आचिल।

तेखेते डाङ्व जीयेक डक्टर कुव्वातुल आयेन लिखिचे ये मोर देउताकर किचुमान बैशिष्ट शब्दवे लिखाटो मोर वाबे वर जटिल। तेखेत वर दयालु, सहानुभूतिशील, परिश्रमी, भाल धारणा वर्खा नम्र मानुह आचिल। सकलो विषयते आमि सकलो भाई भनी आकू जोरायेक सकलक एकेलगे कथा बतवात अंश लवलै शिक्षा दिचिल। आमाव स्कूलव लिखा पढा सम्पर्के मन दिचिल। शिक्षक सकलव आचाव-आचरण वर लक्ष्य करिछिल ये शिक्षक सकले कि कय। आमाक चाईनिज सकलक तबलिग करिवलै उपदेश दिचिल। आमाक उपदेश दिचिल ये आध्यात्मिकता, विद्या आकू चरित्रव दिशत उन्नति करि योरा। लगते एया कैचिल ये तोमालोकर व्यक्तित्व, आमल आकू आचरण चाई मानुहर एया उपलब्धि होरा उचित ये खोदा तायलाव अस्तित्व निश्चय आचे कारण यिविलाक ल'बा-छोरालीये खोदा तायलाव ओवरत विश्वास वाखे सेही विलाक ल'बा-छोराली खोदा अविश्वासी सकलतकै वहत भाल। एयाव उपदेश दिचिल ये तोमालोकर सकलो काम नियमित होरा उचित। आमाक केतियाव धर्मकि दिया नाचिल। सदाय मरम, चेनेहबे बुजाईचिल। केतियावा कठोर आचरण करिछिल यदि सेया नमाजव वियये करिछिल। छुट्रिव समयत आमाक कोनो नहय कोनो एटा किताप पढिवलै दिचिल। तेखेते एवाव किचति नुह कितापव एखन पुराणी कपी पढिवलै दि कैचिल ये एया किचति नुहर प्रथम किताप यि तेखेते जामेया आहमदीयात पढिचिल। तेखेते सदाय कैचिल तोमालोके चन्द्रक हातते लोराव चेष्टा करिव लागिव। एनेदरे चन्द्र यदिओ नोपोरा तरा निश्चय पाही यावा। अर्थात उच्चाञ्चाका सदाय मनत वाखिवा आकू पाँच ओऱाक्त नमाजव सैतेव ताहाज्जुद पढाव शिक्षा दिचिल। पानी छटियाई फजव नमाजव वाबे जगाई दिचिल। हजरत मच्हिह माओउद (आह) आकू खलिफा सकलव किताप पढिवलै कैचिल आकू वर धैर्यव सैतेव आमाव प्रश्नव उत्तरव दिचिल। सदाय एया कैचिल ये आग्नीह तायलाव यि दक्षता दिचेसे यो कामत लगोरा आकू यि आमल करा सेया खोदा तायलाव इवादतव नियतेवे करा उचित। आध्यात्मिक उन्नति सम्पर्के कैचेये एया खट-खटिव दरवे, केतियावा ओवरलै उटी योराव सुविधा पोरा याय। तेखेते आमाक साधावण, नम्र आकू आनक निजव ओवरत प्राधान्य दिवलै शिकाईचिल। मरहमर पुत्र डक्टर दाउद चाहाव कय ये तेखेते मोक कैचेये जामियात अध्ययन करि थका अरस्तात तेखेते वर

ದेउता आक भाइयेकर मृत्युब टेलिग्राम आहे तेतिया तेखेतब परीक्षा चलि आचिल। तेतिया तेखेते भारिछिल ये एया जामेयाब परीक्षाब दबेई आळाह तायलाब फालब परा एटा परीक्षा किन्तु हदय बिदारक खबर। एया भारि तेखेते समयमते परीक्षा चलाई गैचिल।

तेखेतब ल'बा दाउद चाहाबे लिखिचे ये चाहिनिज सकलक तबलिग करात वर उंसाही आचिल। यिकोनो फांचन आदित गले तात लोकक आहमदीयतब सेते परिचय कराई दिचिल। आको कय ये मई सरक्ते केतियाबा केतियाबा तेखेतब अफिचलै गैचिलो आक कलम पेप्पिल आदि लोराब चेस्टा करिचिलो किन्तु अफिचत राखि थोरा कलम आदि ब्यारहाब करिब दिया नाचिल। मोर माकक कैचिल ये, मोर वाबे मेन कलम किने आक फटोकपि करिबलै हले घबर परा कागज लै याओ आक मिचन अफिचत फटो कपि करो। खोदा तायलाब गुणवाचक नाम मुखस्त करिबलै कैचिल। तेखेते चाहिनिज भायात नजम लिखिचिल याब माजत आळाह तायलाब एका गुणवाचक नामब परिचय वर्णना करिचिल। खेल खेला हिचापे आमाब भाइ भनी सकलब माजत आळाह तायलाब गुणवाचक नाम मुखस्त कोराब प्रतियोगीता पाति वाँटाओ दिचिल।

आगाचिफ उळाह चाहाब लिखिचे (मरहमब झाचब लगवीया) ये उचमान चाहाब डेका कालत हाँहिमूळ, मुत्ताकी आक नेक स्वभारब लोक आचिल। वर चिन्ता मग्न है नमाज पाठी वर आकुतिबे दोरा करिचिल। नफल बोजा, नमाज, तछबिह, जिकबे इलाहित वर मनयोग राखिचिल। आहमदीयतब नियामत लाभ कराब पिचत वर प्रशंसा मुखब है सदाय मरम, एकाग्रता आक आग्रह देखुराहिचिल। कय ये मई छात्र अरस्तात हजबत मौलवी गोलाम बचुल चाहाब वाजेकी, हजबत मौलवी आद्दुल हचेन चाहाब, आक आन आन बुजुर्ग ब्यक्ति सकलब ओचबत बहाब आक दोराब दरखस्त कराब आक सेया कबुल होराब निर्दर्शन देखिबलै पाहिचो। मई स्पष्ट साक्षी दिव पाबो ये इबादतत मग्नता, दोराब माजत करुणता आक दोरा कबुल होराब क्षेत्रत उक्त बुजुर्ग सकलब दबेई उचमान चाहाबब ब्यक्तितृत एकेई चित्र आचिल। मई निजे केहीबा वाब ताब निजा विषयत दोरा कबुल होराब विषयटो उपलब्धि करिचो। तेखेते डांब बुजुर्ग आक मोमिन लोक आचिल। जमाति ब्यारस्तापनाब क्षेत्रत सिद्धान्त प्रकाशत वर सतर्क आचिल। तेखेते निजे निजामे जमातब सम्मान आक आनुगत्य करिचिल आक निजब वन्धु सकलक लगते बेलेगक्त एहि शिक्षा दिचिल। खिलाफतब ओपरत पूर्ण आध्यात्मिक विश्वास राखिचिल। येतिया कोनोवाई तेखेतक दोराब आवेदन करिचिल, तेखेत सुधिचिल ये खलिफा ओयात्तलै दोराब आवेदन करिचेने?

बशिद आवशाद चाहाबे कय ये ३३ बचब मई तेखेतब लगत काम कराब सुयोग पाहिचो, तेखेतब बाजमात नमाजब नियानुवर्तिता आक इबादतब प्रति मनयोग आमाब वाबे आदर्श स्वरूप आचिल। धुमुहा, बरयुग, शिलाबृष्टि गैचिल। तबलिगलै तेखेतब वर आग्रह आचिल। साधारणते कथा कम कैचिल किन्तु येतिया तबलिग आवस्त करिचिल, तेखेतब भितबत अ-साधारण दक्षता आक आवेगब जन्म हैचिल आक घट्टाब पिचत घट्टा जुबि कथा पाति थाकिचिल।

नाचिब आहमद बदर चाहाबे (मुरब्बी छिलचिला) लिखिचे ये चीना भायाब यि लिटोबेहाब तेखेते युग्मताई थै गैचे सेयाई तेखेतक केतियाओ मरिब निदिये। तेखेतब कलमब द्वाबा लिपिबद चीना भायात बिच्थन मान किताप आक तबजमा आचे, यि बिलाक तेखेते हजबत मच्हिह माओउद (आ॒) व रुहानी खाजायेनब परा लिपिबद्ध करिचे आक तबजमा करि लोकब हातलै दिचे।

उचमान चाहाबब चीना भायात सम्पादित कोराण करिमब तबजमा सकलोबे पोरा अति सहज शब्दब एখन तबजमा, य'त चीना भायाब मानदन्त आक ऐतिह॑ जकमकाई थका देखिबलै पोरा याय। सेहि काबणेई चीना भायात कोराण करिमब बेलेग बेलेग तबजमा थका सत्तेओ उचमान चाहाबब तबजमातुल कोराण चीनत सकलोबे समदृत। सेये चीनब उलामा सकले जमातब बिरुद्धीता करा सत्तेओ एहि तबजमा पचन्दनीय दृष्टिबे देखि थाके।

जाफब उळाह चाहाबे कैचे ये इच्छामाबाद आक बाबोरा भ्रमनब समयत मोक कलबकहाब अफ्फलटो देखुराय य'त मरहम उचमान चाहाबे जामेयात अध्ययनबत अरस्तात चिल्ला (धर्मी यात्रा) करिचिल। ह्युब आनोराब (आइ॑) ये कय ये मोर मनत आचे; हजबत खलिफातुल मच्हिह तृतीयब युगत, मई सरु आचिलो, मई॒ एबाब सेहि ठाईलै गै देखिचिलो ये एখन कोर्ठाइलिब तलत सरु आन एখन कोर्ठालित मरहम उचमान चाहाब हातत कोराण करिम लै आचे आक दोरा करि आचे।

তেতিয়া আমি সক ডাঙুৰ সকলোৱে তেখেতক দোৱা কৰিবলৈ কওঁ। তেতিয়া তেখেতে মিচিকিয়া হাঁহিৰে উত্তৰ দিছিল আৰু চেনেহপূৰ্ণ আচৰণ কৰিছিল।

ডষ্টৰ নূৰী চাহাবে লিখিছে যে; চৈধ্য পোন্ধৰ বছৰ আগত তেখেতৰ হৃদৰোগ থকা বুলি প্ৰমাণিত হৈছিল। ২০০৪ চনত মই যেতিয়া তেখেতক চ্যাক আপ কৰিছিলো, মই আচৰিত হৈছিলো যে এনেকুৱা ৰোগী জীয়াই থকাৰ চাল খুব কম। মই বৰ আচৰিত যে; তেখেতে কেতিয়াও নিজৰ বেমাৰক নিজৰ দায়িত্ব পালনত ব্যাঘাত জন্মাৰ দিয়া নাছিল। আতাউল মুজিব বাশিদ চাহাবে লিখিছে যে তেখেত বৰ দোৱা কৰোঁতা আৰু দোৱা হওঁতা বুজুৰ্গ আছিল। নমাজ পঢ়োতা, বেমাৰ আৰু দুৰ্বল হোৱা সত্ত্বেও মছজিদ লৈ যাওঁতা বহুত নেক আৰু খোদ ভীক আৰু অক্ষৰ্ষ লোক আছিল। সকলোৱে মঙ্গল কামনা কৰিছিল আৰু সজ পৰামৰ্শ দিছিল আৰু বৰ অতিথি পৰায়ন আছিল। দুৰ্বলতা থকা সত্ত্বেও একাগ্ৰতা আৰু পৰিশ্ৰমেৰে পালন কৰিছিল। দীনৰ খিদমত কৰি যোৱা হাঁহিমুখেৰে মানুহৰ লগত মিলিছিল।

আঞ্চলিক তায়লা মকৰৰ উচমান চীনি চাহাবৰ মৰ্যদা উন্নীত কৰক। তেখেতৰ পঞ্জী আৰু সতি সন্তুষ্টিক ধৈৰ্য্য দান কৰক। এনেদৰে তেখেতৰ পৰিয়াল বৰ্গৰ তেখেতৰ দোৱা আৰু নেকিৰ অংশীদাৰ বনাওঁক। সকলোকে তেখেতৰ অনুকৰণত চলাৰ তোফিক দান কৰক। হ্যুৰ আনোৱাৰ (আইং) যে নমাজে জুমাৰ পিছত তেখেতৰ নামাজে জানাজা পাতাৰ ঘোষণা কৰে।

\*\*\*\*\*

## Assamese Khulasa Khutba Jumma Huzoor Anwar 27 April 2018

### BOOK POST (PRINTED MATTER)

To

-----  
-----  
-----  
-----

From: Office of the Ahmadiyya Muslim Jama'at, Abhayapuri M.G. Road W/N- IV, Bongaigaon Assam 783384. # 7086177737